PRESS RELEASE

RULE OF LAW BACKED BY EFFECTIVE ENFORCEMENT IS FUNDAMENTAL TO ECONOMIC GROWTH: LOK SABHA SPEAKER/विधि का शासन और उसका प्रभावी कार्यान्वयन आर्थिक विकास का मूल आधार है: लोक सभा अध्यक्ष

…

SPIRIT OF THE CONSTITUTION MUST GUIDE THE ACTIONS AND CONDUCT OF IPS OFFICERS: LOK SABHA SPEAKER/संविधान की भावना आईपीएस अधिकारियों के कार्यों और उनके आचरण का मार्गदर्शन करे: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER GIVES THE MANTRA OF 'SEWA' AND 'SAMARPAN' TO THE YOUNG IPS OFFICERS/लोक सभा अध्यक्ष ने युवा आईपीएस अधिकारियों को 'सेवा' और 'समर्पण' का मंत्र दिया

…

POLICE OFFICERS MUST ALWAYS REMAIN IN CLOSE CONTACT WITH PEOPLE THEY SERVE IN ORDER TO ENSURE EFFECTIVE POLICING AND RULE OF LAW: LOK SABHA SPEAKER/प्रभावी पुलिसिंग और विधि के शासन को सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधिकारी उन लोगों के संपर्क में रहें जिनकी वे सेवा करते हैं: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER COMMENDS GROWING NUMBER OF WOMEN OFFICERS IN THE IPS/लोक सभा अध्यक्ष ने आईपीएस में महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या की सराहना की

…

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES TWO-DAY APPRECIATION COURSE FOR IPS OFFICER TRAINEES/लोक सभा अध्यक्ष ने प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के लिए आयोजित दो दिवसीय परिबोधन पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया

…

New Delhi, 30 October 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla today highlighted that the rule of law, along with its effective enforcement, is

fundamental to economic growth and essential for realizing the vision of a Viksit Bharat by 2047. He made these observations while addressing officers of the 77 RR Batch of the Indian Police Service (IPS) at the inauguration of a two-day Appreciation Course for the batch, organized by the Parliamentary Research and Training Institute for Democracies (PRIDE).

https://x.com/ombirlakota/status/1983804961877311866

Shri Birla observed that laws and policies framed by the legislature must be implemented effectively on the ground by young civil servants. He stressed that the spirit of the Constitution should guide their actions and conduct in the discharge of their duties. He further stated that their conduct should reflect the spirit of public service exemplified by Baba Saheb B.R. Ambedkar. He emphasized that the Constitution of India continues to guide the nation, noting that after extensive debate and discussion, the Constituent Assembly created a constitution that remains a source of pride and guidance, admired across the world.

https://x.com/ombirlakota/status/1983804976544797019

Giving the mantra of ‘Sewa’ and ‘Samarpan’ to the young IPS officers, Shri Birla urged them to perform their duties with a genuine sense of service and dedication, rather than treating their work as a mere obligation. Officers who act with honesty, dedication, and patriotism gain the trust and respect of the people, and serving the public provides a unique sense of accomplishment and personal fulfilment, he observed.

Highlighting the constitutional values of liberty, equality, and fraternity, Shri Birla said that police officers, despite frequently facing challenging circumstances, must work to serve the most vulnerable sections of society and ensure justice for those who need it the most. He observed that young IPS officers carry enormous responsibilities and public expectations, which they must strive to fulfil to the best of their abilities.

https://x.com/ombirlakota/status/1983840707296297304

Drawing from his own long journey in public life, Shri Birla underlined the need for public representatives, police, and administrative officials to work in close coordination for the betterment of society. Police officers must maintain close contact with the communities they serve to ensure effective policing and uphold the rule of law.

Shri Birla also commended the growing number of women officers in the IPS, highlighting their sensitivity and empathy, which strengthen the police force and improve service to the public. He stressed that IPS officers must be technically proficient and well-informed to address modern challenges such as cybercrime and disaster management, alongside traditional policing duties.

https://x.com/ombirlakota/status/1983844786332430488

He encouraged the trainee officers to thoroughly study the three new criminal codes enacted by Parliament to understand both the letter and spirit of the law. He also emphasized that IPS officers should adopt a global perspective when addressing transnational issues such as organized crime, terrorism, and cybercrime, while remaining guided by the principles of protecting the innocent and apprehending the guilty.

Lok Sabha Secretary-General Shri Utpal Kumar Singh delivered the Welcome Address. Shri Gaurav Goyal, Joint Secretary, Lok Sabha Secretariat proposed the Vote of Thanks.

नई दिल्ली, 30 अक्तूबर 2025: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज इस बात पर प्रकाश डाला कि विधि का शासन और इसका प्रभावी कार्यान्वयन आर्थिक विकास का मूल आधार है और 2047 तक विकसित भारत के विजन को साकार करने के लिए आवश्यक है। उन्होंने ये टिप्पणियाँ भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 77वें आरआर बैच के अधिकारियों के लिए संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (PRIDE) द्वारा आयोजित दो दिवसीय परिबोधन पाठ्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर अपने संबोधन में कीं।

https://x.com/ombirlakota/status/1983804961877311866

श्री बिरला ने कहा कि विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों और नीतियों को युवा सिविल सेवकों द्वारा जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि संविधान की भावना उनके कार्यों और आचरण का मार्गदर्शन करे। उन्होंने आगे कहा कि उनके आचरण में बाबा साहेब बी.आर. अंबेडकर द्वारा प्रतिपादित जन सेवा की भावना प्रतिबिम्बित होनी चाहिए। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि भारत का संविधान राष्ट्र का मार्गदर्शन करता रहेगा, श्री बिरला ने कहा कि संविधान सभा ने व्यापक चर्चा और विचार-विमर्श के बाद, एक ऐसा संविधान बनाया जो आज भी हमारे लिए गर्व का विषय और प्रेरणास्रोत है जिसकी प्रशंसा पूरी दुनिया में होती है।

https://x.com/ombirlakota/status/1983804976544797019

युवा आईपीएस अधिकारियों को 'सेवा' और 'समर्पण' का मंत्र देते हुए, श्री बिरला ने उनसे आग्रह किया कि वे अपने कार्यों को केवल दायित्व न मानकर अपने कर्तव्यों का पालन सच्ची सेवा और समर्पण की भावना से करें। उन्होंने कहा कि ईमानदारी, समर्पण और देशभक्ति के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने वाले अधिकारियों को जनता का विश्वास और सम्मान प्राप्त होता है, और जनता की सेवा करने से उन्हें व्यक्तिगत रूप से अनूठी उपलब्धि और संतुष्टि मिलती है।

स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए, श्री बिरला ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी समाज के सबसे कमजोर वर्गों की सेवा करने और सबसे ज़रूरतमंद लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा आईपीएस अधिकारियों पर भारी ज़िम्मेदारियाँ

होती हैं और जनता को उनसे अपेक्षाएँ होती हैं, जिन्हें उन्हें अपनी पूरी क्षमता से पूरा करने का प्रयास करना चाहिए।

https://x.com/ombirlakota/status/1983840707296297304

सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे अनुभव का उल्लेख करते हुए, श्री बिरला ने समाज की बेहतरी के लिए जनप्रतिनिधियों, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा परस्पर समन्वय से कार्य किए जाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने और विधि के शासन को बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को उन समुदायों के साथ संपर्क बनाए रखना चाहिए जिनकी वे सेवा करते हैं।

श्री बिरला ने आईपीएस में महिला अधिकारियों की बढ़ती संख्या की सराहना करते हुए कहा कि उनकी संवेदनशीलता और सहानुभूति पुलिस बल को मज़बूत बनाती है और जनता की सेवा में सुधार लाती है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि आईपीएस अधिकारियों को पुलिस के परंपरागत कर्तव्यों का निर्वहन करने के साथ ही साइबर अपराध और आपदा प्रबंधन जैसी आधुनिक चुनौतियों से निपटने के लिए तकनीकी रूप से सुविज्ञ और कुशल होना चाहिए।

https://x.com/ombirlakota/status/1983844786332430488

उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को संसद द्वारा अधिनियमित तीन नई क्रिमिनल संहिताओं का गहन अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे इन क़ानूनों की मूल भावना को समझ सकें। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि आईपीएस अधिकारियों को संगठित अपराध, आतंकवाद और साइबर अपराध जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से निपटने के लिए वैश्विक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और निर्दोषों की रक्षा करते हुए दोषियों को पकड़ने के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया। लोक सभा सचिवालय में संयुक्त सचिव, श्री गौरव गोयल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।